

Indian/ASIAN Perspective of Communication

भारतीय/एशियाई संचार दृष्टिकोण

Rasa Theory | Buddhist Thought | Sadharanikaran Model



Major
Theories
and
Models

प्रमुख सिद्धांत
और मॉडल



Rasa Theory

रस सिद्धांत



Vedic Perspective on communication

वैदिक संचार दृष्टिकोण



Buddhist School of Thought

बौद्ध विचारधारा



Sadharanikaran Model of communication

साधारणीकरण मॉडल
ऑफ कम्युनिकेशन



Pratibimb Theory

प्रतिबिंब सिद्धांत



JRF Media Academy by Rohit

Rohit Yadav

PhD Scholar at
Central University of Rajasthan

JRF Media Academy



UGC-NET PAPER 1

FULL COURSE

✓ Let's Find Out Every Concept in Detail.



COMPLETE SYLLABUS – TOPIC WISE



LATEST PYQ's WITH DETAILED SOLUTIONS



TOPIC-WISE VIDEO LECTURES



HINDI & ENGLISH



MASS COMMUNICATION
PAPER 2

FULL COURSE



UGC-NET by **Rohit**

UGC-NET Paper 1 Complete Syllabus with
Latest PYQ's Solutions.

Communication

संचार

- 

1 | Communication is the fundamental element of human civilization.
संचार मानव सभ्यता का मूलभूत तत्व है।
- 

2 | It has been there since time immemorial.
यह आदि काल से मौजूद है।
- 

3 | The word communication comes from latin word communicare which means to share and "to make common"
'संचार' शब्द लैटिन शब्द communicare से आया है, जिसका अर्थ है साझा करना और "सामान्य बनाना"
- 

4 | Anglo-American Bias in Communication studies.
संचार अध्ययन में एंग्लो-अमेरिकी पक्षपात।
- 

5 | There is a need of de-westernizing of communication theories.
संचार सिद्धांतों के डी-वेस्टर्नाइजिंग की आवश्यकता है।



Indian/Asian Theory of Communication



भारतीय/एशियाई संचार सिद्धांत



Communication is the fundamental element of human civilization

संचार मानव सभ्यता का मूलभूत तत्व है।



The primary focus in the Indian tradition of communication is an inward search for meaning, a process leading to self awareness, then to freedom and finally to truth

भारतीय संचार परंपरा में मुख्य ध्यान अर्थ की आंतरिक खोज पर है, जो आत्म जागरूकता की ओर ले जाती है, फिर स्वतंत्रता की ओर और अंततः सत्य की ओर।



Major Theories and Models



Rasa Theory

रस सिद्धांत



Vedic Perspective on communication

वैदिक संचार दृष्टिकोण



Buddhist School of Thought

बौद्ध विचारधारा



Sadharanikaran Model of communication

साधारणीकरण मॉडल
ऑफ कम्युनिकेशन



Pratibimb Theory

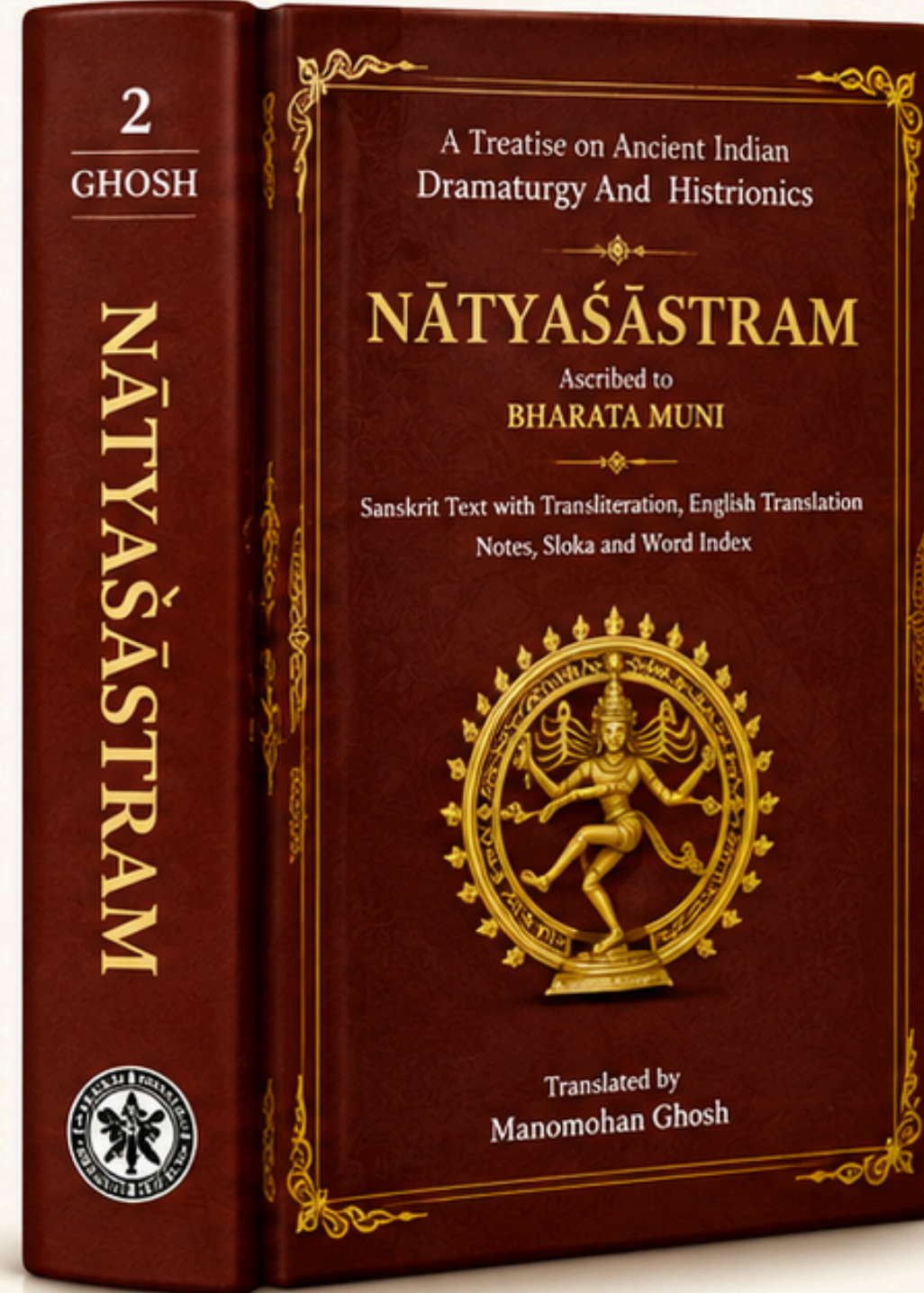
प्रतिबिंब सिद्धांत



JRF Media Academy by Rohit

Natya Shastra

नाट्य शास्त्र



Earliest Indian literature
on music and drama

Written by Bharat Muni

between 200 BCE to 200 CE

36 chapters

6,000 poetic verses.

Talks about **abhinaya**, **bhava**
or **emotion**, and **rasa** or
aesthetic pleasure

5th Veda

संगीत और नाटक पर
प्राचीनतम भारतीय साहित्य

भरत मुनि द्वारा रचित

200 ईसा पूर्व से 200 ईस्वी के बीच

36 अध्याय

6,000 काव्यात्मक श्लोक।

अभिनय, **भाव** या भावना,
और **रस** या सौंदर्यात्मक आनंद
के बारे में चर्चा करता है

पाँचवाँ वेद

Rasa Theory

रस सिद्धांत



- Rasa is the ultimate emotional pleasure that can be derived from a work of art.
रस कला के किसी भी कार्य से प्राप्त होने वाला परम भावानंद है।



- According to sage Bharata the combination of Bhavas- (vibhava, anubhava, Satvika and vyabhichari bhavas gives rise to rasas.
- ऋषि भरत के अनुसार भावों (विभाव, अनुभाव, सात्त्विक और व्यभिचारी भावों) के संयोग से रसों की उत्पत्ति होती है।

Bhava
भाव



Rasa Utpatti
रस उत्पत्ति



- When watching a piece of art, if your emotions align with that of the performer, the state of Sahridhya has been achieved
- जब किसी कला-कृति को देखते समय दर्शक की भावनाएँ कलाकार की भावनाओं से मेल खाती हैं, तब सहृदय की स्थिति की सिद्धि होती है।

Bhava भाव



- Vibhava, anubhava and vyabhichari bhava in combination with one another evokes/arouses / infuse the supreme delight that we call rasa or the aesthetic experience in the spectator.

विभाव, अनुभाव और व्यभिचारी भाव एक-दूसरे के संयोग से जागृत/उत्पन्न होकर हममें उस परम आनंद को भरते हैं जिसे हम रस या सौन्दर्यात्मक अनुभव कहते हैं।

Rasa Utpatti रस उत्पत्ति



JRF Media Academy by Rohit

Bhavas(49)

(Emotions)

भाव (49)

(भावनाएँ)



Sthayi (33)

स्थायी (33)



a static or dominant mood

एक स्थिर या प्रमुख मनोदशा



Each sthayi bhava is directly connected to the eight rasas

प्रत्येक स्थायी भाव सीधे आठ रसों से जुड़ा होता है



Vyabhichari(33)

व्यभिचारी (33)



Transitory emotions

क्षणिक भावनाएँ



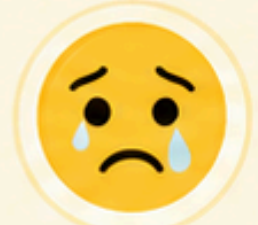
Differ from person to person. They will not have a constant nature.

व्यक्ति-व्यक्ति में भिन्न होते हैं। इनका स्वभाव स्थायी नहीं होता।



Satvika(8)

सात्विक (8)



Involuntary emotional states

अनैच्छिक भावात्मक अवस्थाएँ



Evokes the sympathy by responding to the sorrow of others

दूसरों के दुख पर प्रतिक्रिया कर कर सहानुभूति उत्पन्न करता है



JRF Media Academy by Rohit

Main Components मुख्य घटक

Vibhava विभाव

Knowledge-Objective conditions
producing an emotion

ज्ञान- वह वस्तु जो किसी भाव को उत्पन्न करे



combination of **Vachika**,
Angika and **Sattvika** abhinaya.
वाचिक, आंगिक और सात्विक अभिनय
का संयोग।

Anubhava अनुभाव

Physical or the **outward**
manifestation.

शारीरिक या बाह्य अभिव्यक्ति।



Movement of the **eye**
brows and facial
expressions.
नेत्र, भ्रुकुटि और मुख की चेष्टाएँ।



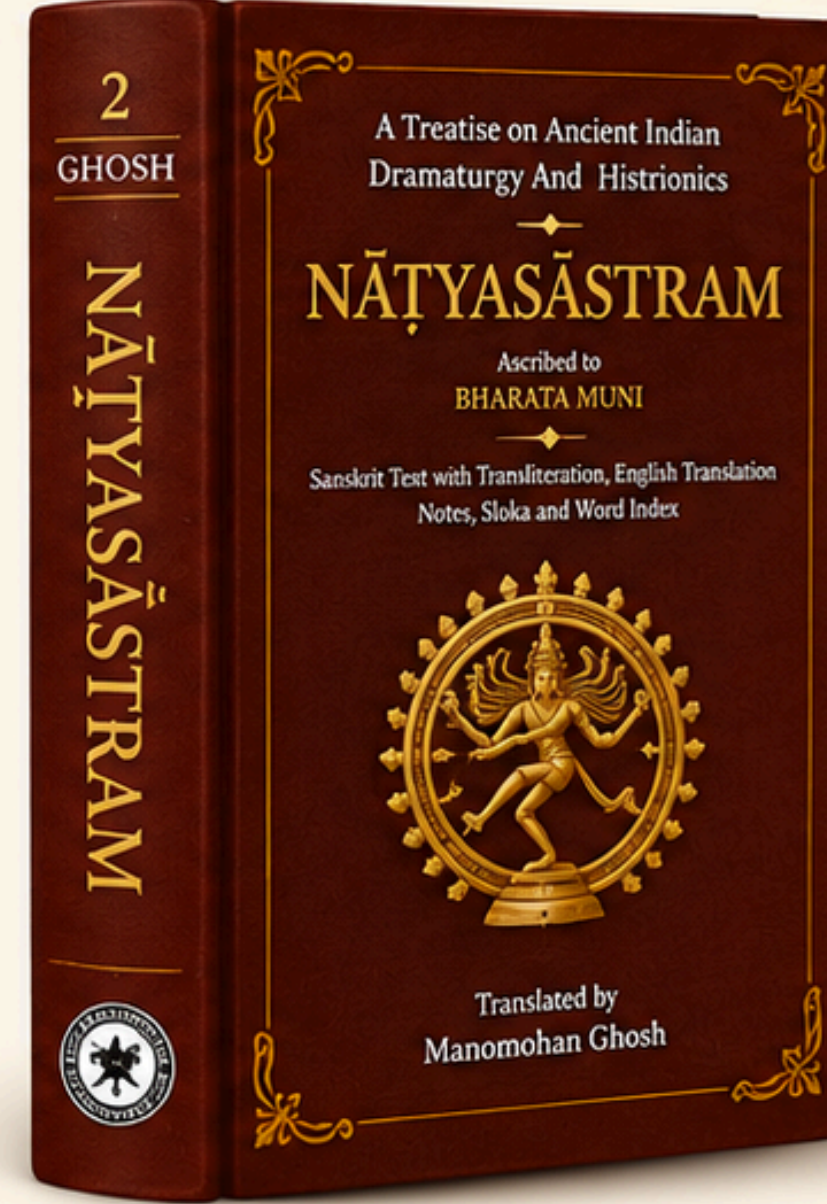
Sthyai Bhava स्थायी भाव

- Rati (Love)
रति (प्रेम)
- Hasya (amusement)
हस्य (हास्य/विनोद)
- Soka' (शोक)' (Sorrow)
शोक (दुःख)
- Krodha (Anger)
क्रोध (क्रोध)
- Utsaha (liveliness)
उत्साह (उत्साह/जीवनशीलता)
- Bhaya (Terror)
भय (भय)
- Jugupsa (Disgust)
जुगुप्सा (घृणा)
- Vismaya (amazement)
विस्मय (आश्चर्य)



Rasas रस

1. Harsh (Humour)
हर्ष (हास्य)
2. Karuna (Compassion)
करुणा (करुणा)
3. Bhayanaka (Anger)
भयानक (क्रोध)
4. Shringar (Love)
शृंगार (प्रेम)
5. Rudra (Terror)
रुद्र (भय)
6. Bibhatsa (Disgust)
बीभत्स (घृणा)
7. Adbhuta (Wonder)
अद्भुत (आश्चर्य)
8. Shaurya (Heroism)
शौर्य (वीरता)



Nav- Rasas नव- रस



Later the 9th rasa -
“Shanta rasa” is
added by Abhinav Gupta

बाद में 9वां रस -
“शान्त रस”
अभिनव गुप्त द्वारा जोड़ा गया





Spiritual Intrapersonal Communication

आध्यात्मिक अंतर्प्रसेन संचार



- The realization of self through Shravan (listening), Manan (contemplation), and Nididhyasan (Deep meditation)

श्रवण (सुनना), मनन (चिंतन) और निदिध्यासन (गहन ध्यान) के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार।



- The self knowledge was considered to highest form of knowledge by the vedic sages.

वैदिक ऋषियों द्वारा आत्मज्ञान को ज्ञान का सर्वोच्च रूप माना गया।

Types of Communication

संचार के प्रकार

1.



Vaikhari is that speech that operates in the mouth alone, via the physical tongue
वैखरी वह वाणी है जो केवल मुँह से, शारीरिक जीभ के माध्यम से कार्य करती है।

2.



Madhyama emerges into the world through the nose, via the breath
मध्यमा नाक के माध्यम से, श्वास द्वारा संसार में प्रकट होती है।

3.



Pashyanti is spoken with the eyes
पश्यन्ती आँखों के माध्यम से बोली जाती है।

4.



Para is telepathic, materializing directly from the faculty of awareness.
परा टेलीपैथिक है, जो सीधे चेतना की शक्ति से प्रकट होती है।



JRF Media Academy by Rohit



Types of Communication



Vedic mantras yield their deepest secrets only when spoken simultaneously in each of the **four speeches**.



To sing Vedic hymns rightly you must master the pronunciation, inflection, and melody of the words (**vaikhari**),



sing those words with all the erudition and passion that your heart can muster (**madhyama**),



concentrate all the prana (life-force) at your disposal into a single-minded vision of your message (**pashyanti**),



and surrender wholly to reality as you speak, so that truth is all you convey (**para**).



वैदिक मंत्र अपने गूढ़तम रहस्यों को केवल तब प्रकट करते हैं जब उन्हें **चारों वाणियों** में एक साथ बोला जाता है।



वैदिक स्तोत्रों को सही ढंग से गाने के लिए आपको शब्दों (**वैखरी**) के उच्चारण, उतार-चढ़ाव और मधुरता में निपुण होना चाहिए,



उन शब्दों को अपने हृदय से प्राप्त समस्त विद्या और जुनून (**मध्यमा**) के साथ गाएं,



अपनी समस्त प्राणशक्ति (जीवन-शक्ति) को अपने संदेश (**पश्यन्ती**) की एकाग्र दृष्टि में केंद्रित करें,



और जैसे ही आप बोलें, पूर्णतः वास्तविकता के समक्ष आत्मसमर्पण करें, ताकि सत्य ही वह सब हो जो आप व्यक्त करें (**परा**)।



Buddhist Perspective of Communication

Mindful Communication | Middle Path



“

Mindfulness can be developed by being constantly aware of four particular aspects. These are the applications of mindfulness with regard to the body (body postures, breathing and so forth), feelings (whether pleasant, unpleasant or natural); mind (whether the mind is greedy or not, angry, dispersed or deluded or not); and mind objects (whether there are mental hindrances to concentration, the Four Noble Truths and so on) (Dhammananda 1987, p. 84).

”



“

सचेतनता को चार विशेष पहलुओं के प्रति लगातार जागरूक रहने से विकसित किया जा सकता है। ये हैं— शरीर के संबंध में (शारीरिक मुद्राएं, श्वास आदि), भावनाओं के संबंध में (चाहे वे सुखद हों, दुखद हों या स्वाभाविक हों); मन के संबंध में (चाहे मन लालची हो या नहीं, क्रोधित हो, चंचल हों या भ्रमित हो या नहीं); और मनोवस्तुओं के संबंध में (चाहे ध्यान में मानसिक बाधाएं हों, चार आर्य सत्य हों या अन्य कुछ) (धम्मनंद 1987, पृ. 84)।

”



Buddhist Perspective of Communication

Mindful Communication | Middle Path



- **Mindful communication** is based on the Middle Path
- जागरूक संचार मध्य मार्ग पर आधारित है



- It is paying attention to the things that you do.
- यह उन चीजों पर ध्यान देना है जो आप करते हैं।



- **4 foundations of mindfulness**
- माइंडफुलनेस की 4 नींव

1



- (i) Contemplating on the body (Kayanupassana)
- (i) शरीर का ध्यान (कायानुपश्यना)

2



- (ii) Contemplating on the feelings (Vidananupassana)
- (ii) भावनाओं का ध्यान (वेदनानुपश्यना)

3



- (iii) contemplating on the mind
- (iii) मन का ध्यान

4



- (IV) Contemplating on mental phenomena
- (IV) मानसिक घटनाओं का ध्यान



JRF Media Academy by Rohit



Mindful Journalism सचेत पत्रकारिता

- The communicator should understand the reasons for the existence of unhappiness (dukkha), and desist from using messages to knowingly promote attachment (upadana) and desire (tanha). The whole practice of Buddhism is based on morality (Sila), concentration (Samadhi) and wisdom (Panna).



सचेत पत्रकारिता

- संचारक को दुख (दुःख) के अस्तित्व के कारणों को समझना चाहिए, और जानबूझकर ऐसे संदेशों का उपयोग करने से बचना चाहिए जो आसक्ति (उपादान) और इच्छा (तन्हा) को बढ़ावा देते हैं। बौद्ध धर्म का पूरा अभ्यास नैतिकता (शील), एकाग्रता (समाधि) और प्रज्ञा (पञ्जा) पर आधारित है।



Mindful Journalism सचेत पत्रकारिता

- Gunaratne, Pearson and Senarath (2015:18) described the theory of mindful journalism based on the Buddhist Four Noble Truths.
- “Mindful intercultural communication requires the communicator to understand the reasons for sorrow/unhappiness, and to desist from using his/her craft to increase desire (tanha) and clinging (upadana). The mindful journalist must distinguish between pleasure and happiness to understand the reality that cyclic existence (samsara) means suffering (dukkha)”.



सचेत पत्रकारिता

- गुनरत्ने, पियर्सन और सेनरथ (2015:18) ने बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य पर आधारित सचेत पत्रकारिता के सिद्धांत का वर्णन किया।
- “सचेत अंतरसांस्कृतिक संचार के लिए संचारक को दुख/असुख के कारणों को समझना चाहिए, और अपनी कला का उपयोग इच्छा (तन्हा) और आसक्ति (उपादान) को बढ़ाने के लिए करने से बचना चाहिए। सचेत पत्रकार को आनंद और सुख के बीच अंतर करना चाहिए ताकि वह समझ सके कि चक्रीय अस्तित्व (संसार) का अर्थ है दुख (दुःख)”।





Sadharnikarn Model

Dr. Nirmala Mani Adhikary



- Indian communication theories are rooted in Indian religious literature, Indian philosophy and fine arts.

भारतीय संचार सिद्धांत भारतीय धार्मिक साहित्य, भारतीय दर्शन और ललित कलाओं में निहित हैं।

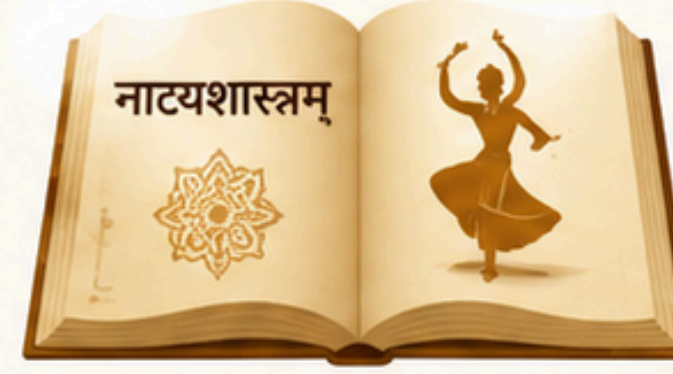


- The closest word to communication in Indian classical literature is “Sadharanikaran.” भारतीय शास्त्रीय साहित्य में संचार के लिए सबसे निकटवर्ती शब्द “साधारणीकरण” है।



- It was first used in the 10th-century commentary called “Natyashastra” by Bharata Muni, the principal source of information for the Indian theory of communication.

यह शब्द पहले 10वीं शताब्दी की “नाट्यशास्त्र” नामक टीका में भारत मुनि द्वारा प्रयुक्त किया गया, जो भारतीय संचार सिद्धांत का प्रमुख स्रोत है।



NATYA SHASTRA



- Natya Shastra is a Sanskrit treatise on the performing arts.
नाट्य शास्त्र प्रदर्शन कलाओं पर एक संस्कृत ग्रंथ है।



- The text is attributed to sage Bharata
यह ग्रंथ ऋषि भरत को समर्पित है।



- It consists of 36 chapters and 6,000 poetic verses.
इसमें 36 अध्याय और 6,000 काव्य श्लोक हैं।



- It is also notable for its aesthetic “Rasa” theory.
यह अपने सौंदर्यात्मक “रस” सिद्धांत के लिए भी प्रसिद्ध है।



JRF Media Academy by Rohit



Sadharnikarn Model



- Sadharanikaran model of communication (SMC) is constructed and developed by **Dr. Nirmala Mani Adhikary in 2003.**



- It is a representation of communication process from Hindu perspective.



- It is a diagrammatic form of a process of attaining mutual understanding, commonness or oneness among people.



- It illustrates how the communicating parties interact in a system (i.e., the process of sadharanikaran) for the attainment saharidayata. - A state of communion, mutual understanding



साधारणीकरण मॉडल ऑफ कम्युनिकेशन (SMC) का निर्माण और विकास डॉ. निर्मला मणि अधिकारी द्वारा वर्ष 2003 में किया गया।



यह हिन्दू दृष्टिकोण से संचार प्रक्रिया का एक प्रतिनिधित्व है।



यह लोगों के बीच पारस्परिक समझ, समानता या एकता प्राप्त करने की प्रक्रिया का एक आरेखीय रूप है।



यह दर्शाता है कि संचार करने वाले पक्ष एक प्रणाली में कैसे परस्पर क्रिया करते हैं (अर्थात् साधारणीकरण की प्रक्रिया) सहृदयता की प्राप्ति के लिए। - एकता की स्थिति, पारस्परिक समझ



Sahridayata is the core concept upon which the meaning of sadharanikaran resides. It is the state of common orientation, commonality, mutual understanding or oneness.

Communicating parties become **sahridayas** with the completion of the process of Sadharanikaran.

Sahridayata वह मूल अवधारणा है जिस पर साधारणीकरण का अर्थ आधारित है। यह सामान्य उन्मुखता, समानता, पारस्परिक समझ या एकता की स्थिति है।

साधारणीकरण की प्रक्रिया पूरी होने पर संचार करने वाले पक्ष सहृदय बन जाते हैं।



Sadharanikarn Model

साधारणीकरण मॉडल

Sadharanikarn model comprises of the following elements:
साधारणीकरण मॉडल निम्नलिखित तत्वों से मिलकर बना है:

-  **Sahridayas (Preshaka, i.e. sender and Prapaka, i.e. receiver)**
सहृदय (प्रेषक, अर्थात् भेजने वाला और प्रापक, अर्थात् प्राप्त करने वाला)
-  **Bhava (Moods or emotions)**
भाव (मनोदशाएँ या भावनाएँ)
-  **Abhivyanjana (Expression or encoding)**
अभिव्यंजन (अभिव्यक्ति या एन्कोडिंग)
-  **Sandesh (Message or information)**
संदेश (संदेश या जानकारी)
-  **Sarani (Channel)**
सारणी (चैनल)
-  **Rasaswadana (decoding and interpreting the message and finally achieving the rasa)**
रसास्वादन (संदेश को डिकोड करना और व्याख्या करना तथा अंततः रस की प्राप्ति)
-  **Doshas (Noises)**
दोष (शोर)
-  **Sandarbha (Context)**
संदर्भ (प्रसंग)
-  **Pratikriya (Process of feedback)**
प्रतिक्रिया (प्रतिपुष्टि की प्रक्रिया)



- **Sahridayas** are the people with a capacity to send and receive messages. They are the parties engaged in communication, and capable of identifying each other as sender and receiver of the process.

सहृदय वे लोग हैं जिनकी क्षमता संदेश भेजने और प्राप्त करने की होती है। वे संचार में संलग्न पक्ष होते हैं, और प्रक्रिया के प्रेषक और प्राप्तकर्ता के रूप में एक-दूसरे की पहचान करने में सक्षम होते हैं।



Q1

According to Indian rasa theory, the accomplishment of rasa is related to the following?



- A Vibhava
- B Kavya
- C Anubhav
- D Sanket (Indication)
- E Vyabhichari Bhav



1 A, D, E only

2 B, A, E only

3 **A, C, E only** ✓

4 B, D, C only

Q2

Following are types of Speech?



- A Madhyama
- B Paraa
- C Pashyanti
- D Akhchara
- E Vaikhari



1 A, D, E only

2 **B, C, E only** ✓

3 B, A, D only

4 B, E, A only



JRF Media Academy by Rohit

Q1

Which of the following are types of Speech?



A. Madhyama

B. Paraa

C. Pashyanti

D. Akhchara

E. Vaikhari



Answer: 2. B, C, E only

Q2

According to Indian rasa theory, the accomplishment of rasa is related to the following?



A. Vibhava

B. Kavya

C. Anubhav

D. Sanket
(Indication)

E. Vyabhichari
Bhav



Answer: 3. A, C, E only

Q3

Who refers to the views of 'Vyadi'?



1. Bharti Muni

2. Panini

3. Narad Muni

4. Pataniali



Answer: 4. Pataniali



JRF Media Academy by Rohit

Q48.

The Buddhist approach to communication emphasises:

बौद्ध दृष्टिकोण में संचार पर जोर दिया जाता है:

- A** Aggressiveness
आक्रामकता
- B** Competitiveness
प्रतिस्पर्धात्मकता
- C** Co-operation
सहयोग
- D** Non-Violence
अहिंसा
- E** Mindfulness
सतर्कता / माइंडफुलनेस

**ANSWER****3. C, D, E only****Q48.**

The social change training model in developmental communication has its origins in the following:

विकास संचार में सामाजिक परिवर्तन प्रशिक्षण मॉडल की निम्नलिखित में उत्पत्ति हुई है:

- A** Western social psychology
पश्चिमी सामाजिक मनोविज्ञान
- B** Asian theories of communication
एशियाई संचार सिद्धांत
- C** The Chinese model of socialism
चीनी समाजवाद का मॉडल
- D** Latin American educational communication
लैटिन अमेरिकी शैक्षिक संचार

**ANSWER****4. A and D only**

JRF Media Academy by Rohit

